दैनिक जागरण

समझ-बूझ

समय की मांग है वित्तीय योजना बनाना

जीवन में हम सभी के कुछ सपने हैं। फिर चाहे वह घर खरीदना हो, नया व्यवसाय शुरू करना हो, कठिन परिश्रम से प्राप्त किए गए धन को स्टॉक में निवेश करना हो, दुनिया की सैर करना हो या परिवार के भविष्य की योजना बनाना हो। इन सभी को वित्तीय लक्ष्यों का नाम दिया जा सकता है। इसलिए उपरोक्त सभी की प्रभावी तरीके से योजना बनाने के लिए वित्तीय जागरूकता एक महत्वपूर्ण जरूरत है। जीवन के शुरुआती दिनों में ही अपनी आवश्यकताओं को जानकर बेहतर वित्तीय योजना बनाई जा सकती है।

बढ़ता महत्व

वित्तीय शिक्षा का महत्व न केवल व्यवसायी या निवेशकों के लिए बल्कि वेतनभोगी कर्मचारी के लिए भी लगातार बढ़ता जा रहा है। ज्यादातर लोग अब बजट को संतुलित बनाने, बच्चे की शिक्षा के लिए धन का प्रबंध करने या माता-पिता के रिटायर होने पर आय सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। लोग हमेशा से जागरूक रहे हैं लेकिन मौजूदा बाजार की गति व लगातार परिवर्तनों के कारण अब वित्तीय योजना पहले से बनाना अहम हो गया है।

अलग समय के लिए अलग उद्देश्य

किसी व्यक्ति की वित्तीय योजना को जीवन के

अलग-अलग चरणों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनुकूलित किया जाना चाहिए। सुरक्षा, बचत और संपत्ति निर्माण की भिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें साधनों का संतुलित मिश्रण होना जरूरी है। लेकिन आप इसकी योजना कैसे बनाएंगे?

वित्तीय योजना महज निवेश नहीं है। यह केवल कर-नियोजन या निवेश से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक प्रक्रिया है। इसमें आपके मौजूदा फंड की समीक्षा करना, आपकी आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए योजना बनाना, जोखिम लेने की आपकी क्षमता के अनुसार निवेश पोर्टफोलियो बनाना और बहुत सी बातें शामिल हैं।

कौन सी बातें ध्यान में रखनी होंगी?

वित्तीय योजना बनाने का पहला कदम है, अपनी आवश्यकताओं और लक्ष्यों को पहचानना। आवश्यकताओं का अनुमान लगाने के बाद अगला चरण यह निर्णय करने का है कि आप धन कैसे एकत्र करेंगे। हालांकि आपको यह बात ध्यान रखनी होगी कि यह केवल धन एकत्र करने की बात नहीं है, बल्कि दीर्घकालीन, विवेकपूर्ण निवेश निर्णय लेना भी महत्वपूर्ण है। इसमें पेशेवर की सहायता लेना और वित्तीय सलाहकार से परामर्श लेना एक अच्छा विचार होगा।

सक्षम बनाने वाली तकनीक

मोबाइल तकनीक के क्षेत्र में प्रगति और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच से वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में लगातार विकास हुआ है। इन रुझानों के परिणामस्वरूप नए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और ऐसी सेवाएं कम समय में तेजी से बढ़ी हैं, जो विस्तृत तुलना के साथ-साथ वित्तीय उत्पादों का मौजूदा संपूर्ण परिदृश्य और साथ ही व्यक्तिगत फाइनेंस का 360-डिग्री दृष्टिकोण उपलब्ध कराती हैं। इन एग्रिगेटर में क्रेडिट से लेकर जमा राशियों और बीमा सुविधाओं तक के वित्तीय उत्पाद शामिल हैं, जिनसे जागरूकता बढ़ी है।

आसानी से पहुंच योग्य साधन

विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे वित्तीय साधन प्रदान करते हैं जो स्वाभाविक रूप से दूरदर्शितापूर्ण हैं और इनसे व्यक्ति की वित्तीय जरूरतों को पहचानने में मदद मिलती है। ये साधन कई प्रकार की कार्यात्मकता उपलब्ध कराते हैं, जिनमें योग्य बीमा राशियां और ऋण पुनर्भुगतान अवधियों की गणना करना या बचत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सुनियोजित निवेश योजनाओं को पहचानना शामिल है। ये प्लेटफॉर्म ऐसे माध्यमों के रूप में कार्य करते हैं, जिनसे खरीदार सही वित्तीय उत्पाद पहचान सकते हैं।

पहले से योजना बनाएं

वित्तीय योजना बनाना आयु पर या इस बात पर निर्भर नहीं करता कि कितने धनवान हैं, बल्कि यह सपनों को सच में बदलने से संबंधित है। आपको बस अपने वित्तीय लक्ष्यों को परिभाषित करने और उनकी प्राथमिकता निश्चित करने की जरूरत है। यह विश्लेषण करें कि मौजूदा स्थिति (वित्तीय रूप से) क्या है और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने का स्पष्ट रोड-मैप बनाएं। इन बातों का ध्यान रखकर आप निश्चित रूप से एक चिंतामुक्त जीवन जी सकते हैं!

प्रदीप पांडे

सीएमओ

फ्यूचर जनरली लाइफ इंश्योरेंस